प्रमुख नई कोयला-उत्खनन परियोजनाएं

20. **श्री राम जेठमलानी :**

श्री जितेन्द्र कुमार जैन :

श्री सुरेश कलमाडी :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार देश में कोयले के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए 1500/- करोड़ रुपए की एक योजना का प्रारूप बना रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने उक्त योजना का प्रारूप तैयार कर लिया है;

(ग) क्या सरकार ने इस आशय का कोई मूल्यांकन किया है कि इस योजना के कार्यान्वयन के बाद देश में कोयले की उत्पादन लागत कम हो जाएगी; और

(घ) यदि हां, तो उक्त योजना के कार्यान्वयन के पहले और बाद में कोयला उत्पादन की औसत लागत कितनी-कितनी होगी ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) और (ख) सरकार ने कोल इण्डिया लि. तथा सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि. के लिए वर्ष 1993-94 की वार्षिक योजना के अंतर्गत 2543 करोड़ रु. के पूंजी निवेश को अनुमोदन दे दिया है जिसके लिए कोयला के उत्पादन में वृद्धि किए जाने के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं ।

(ग) और (घ) कोयला उत्पादन की लागत निम्न मुद्दों पर निर्भर करती है---जैसे मजदूरी में वृद्धि और लागत में तथा अन्य लागतों में मुद्रास्फीति । किसी भी समय में इन मुद्दों के संबंध में कोई सही अनुमान नहीं लगाया जा सकता है । किन्तु, कोयला कम्पनियां, लागत नियंत्रण उपायों को अंगीकृत किए जाने के लिए 2-3% लागत वृद्धि को, जोकि मुद्रास्फीति के कारण हुई है, समाहित करने का प्रयास कर रही है ।

Impact of hike in coal prices on coal based industries

21. SHRI P. UPENDRA : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether the recent hike in coal prices has a serious impact on coal-based industries, and

(b) if so, what steps Government are taking to help the industries and contain inflation ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) and (b) The impact of the increase in the prices of coal effected on 17-2-1993 has been estimated to be minimal in so far as the various consumers are concerned. In regard to coal supplied by Coal India Limited, for power industry the impact is estimated to be only 2.9 paise per KWH. Similarly, for steel industry the impact per tonne of steel is estimated to be Rs. 142. The impact on the Whole Sale Price Index is estimated to be only 0.32 per cent. Due to various measures taken by Government, the rate of inflation for the year 1992-93 has been contained within seven per cent.

शहडोल कोयला भंडारों से कोयले की चोरी

22. **श्री अजीत जोगी :**

चौधरी हरि सिंह :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या शहडोल (मध्य प्रदेश) के आस-पास कोयला भंडारों से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कोयले की चोरी की जा रही है;

(ख) क्या कुछ ठेकेदार इस प्रयोजन के लिए बड़ी संख्या में कुली काम पर लगाते हैं;

(ग) वर्ष 1990-91 के दौरान अधिकारियों ने चोरी के कितने मामलों का पता लगाया है और कितने मूल्य का कुल कितना कोयला बरामद किया गया है;

(घ) कोयले की चोरी में अंतर्ग्रस्त व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है; और

(ङ) उक्त क्षेत्र में कोयले की चोरी को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) शहडोल (मध्य प्रदेश) के निकट स्थित साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के पट्टाधारी क्षेत्र में कोयले के भंडारों में से कोयले की चोरी होने की सूचना नहीं मिली है । जहां तक पट्टाधारी क्षेत्रों के बाहर कोयले की चोरी का संबंध है साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के पास ऐसी कोई सूचना नहीं है ।

(ख) से (ङ) प्रश्न ही नहीं उठता है ।

Transportation and theft of coal in North Eastern coalfields

23. SHRI NYODEK YONGGAM : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) what is the total quantity and value of coal annually lost due to theft or other factors during transportation in North Eastern Coalfields at Ledo, Lekhapani, Tirap and Tipok coal mines under Coal India Ltd., and in Margherita, Assam; and

(b) what are the details of transporters registered with Coal India Ltd., Margherita, Assam ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) Quantity of coal lost in North Eastern Coalfields due to theft during transportation by road is Nil. Approximately 10,000 tonnes of coal amounting to about Rs. 60 lakhs were lost in 1992-93 during transhipment by railways from pitheads to transhipment point, for transfer from metre gauge to broad gauge wagons.

(b) No transporters are registered with North Eastern Coalfields, Margherita, Assam.

चाय पर वसूल किया गया उपकर

24. **श्री राम जेठमलानी** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में उत्पादित चाय की सभी किस्मों पर सरकार द्वारा उपकर वसूल किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो इस उपकर की दर क्या है;

(ग) 1990-91, 1991 और 1992-93 के वर्षों के दौरान उपकर के रूप में कितनी राशि एकत्रित की गई;

(घ) उपकर के रूप में एकत्र की गई राशि का प्रयोग करते हुए चाय की उत्पादकता में वृद्धि और इसकी गुणवत्ता में सुधार करने के लिए क्या कोई योजना कार्यान्वित की गई है;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(च) उपकर के रूप में एकत्र की गई राशि का किस प्रयोजन के लिए उपयोग किया गया है और उक्त प्रयोजन के लिए अब तक किस संस्था के माध्यम से इस राशि का उपयोग किया गया है; और

(छ) इस प्रकार से चाय उद्योग को कितना लाभ हो रहा है और उसका ब्यौरा क्या है ?

नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री और वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री कमालुद्दीन अहमद) : (क) और (ख) चाय अधिनियम, 1953 के प्रावधानों के अंतर्गत, उत्पादित की जाने वाली सभी प्रकार की चाय पर सरकार उपकर लगाती है । उपकर की वर्तमान दरें 3 पैसा प्रति कि. ग्रा. तथा 15 पैसे प्रति कि.ग्रा. हैं जो चाय उत्पादन के क्षेत्र पर निर्भर करती हैं ।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान चाय पर वसूल उपकर निम्नलिखित रहा है :

वर्ष	वसूल उपकर की राशि (रुपए/लाख)
1990-91	1207
1991-92 (अनं.)	1234
1992-93 (अनं.)	1120